जनसंपर्क विभाग, अमेरिकी दूतावास
प्रेस समाचार
शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011.24198000 एक्सटेंशन: 8827
फैक्स: 011. 24198817 वेबसाइट: http://newdelhi.usembassy.gov

25 अप्रैल, 2011

अमेरिका और भारतीय वरिष्ठ कानून प्रर्वतन अधिकारियों ने लास एंजलिस में आतंकरोधी रणनीतिक भागीदारी की स्थापना की

नई दिल्ली - अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) भारतीय गृह मंत्रालय के साथ पांच दिवसीय लॉ इन्फोर्समेंट एक्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेमिनार 22 अप्रैल को संपन्न हुआ। इस सेमिनार में आतंकरोधी कार्रवाई, संकट से निपटने और बड़े शहरों में पुलिस व्यवस्था पर पर विचार-विमर्श किया गया। यह एक्सचेंज कार्यक्रम एफबीआई, लास एंजलिस पुलिस डिपार्टमेंट और लास एंजलिस काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट में लास एंजलिस केलीफोर्निया में हुआ।

सेमिनार संपन्न होने के बाद भारत में अमेरिका के राजदूत टिमोथी जे. रोमर ने पुलिस भागीदारी के लाभ के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "हमारे कानून प्रर्वतन अधिकारी निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों और अपराधियों को जब न्यायालय के कटघरे तक पहुंचाते हैं तो पुलिस अधिकारियों से लेकर आम नागरिक तक सभी भारतीयों और अमेरिकियों को समान रूप से इसका लाभ होता है। उदाहरण के तौर पर 26/11 को मुंबई पर होने वाले आतंकी हमलों के बाद एफबीआई एजेंटों ने भारतीय पुलिस और गुप्तचर एजेंसियों में अपने समकक्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर कार्य किया है। न लाल फीताशाही, न अधिकारों की जंग, केवल जांच अधिकारी कंधे से कंधा मिलाकर संकट के समय मदद के लिए खड़े हो रहे हैं। फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमों ने प्रयुक्त विस्फोटक उपकरणों से उंगलियों के चिन्ह लिए। एफबीआई के इंजीनियरों ने कीमती डेटा हासिल करने के लिए नष्ट हो चुके जीपीएस उपकरणों की मरम्मत की। दोनों देशों के एजेंटों ने अजमल कसाब को न्याय के कटघरे तक लाने के लिए सबूत पेश किए।'' आतंकवाद और कट्टरवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक भागीदारी का यह एक महान उदाहरण है।

असिस्टेंट डायरेक्टर इंचार्ज स्टीवन एम मार्टीनेज़ ने इस अवसर पर कहा, ''आज विश्व सुरक्षा खतरे के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्षमताओं के तालमेल की आवश्यकता है। ताकि वर्तमान और उभरते हुए खतरों का मुकाबला किया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय आदानप्रदान के द्वारा जैसाकि इस सप्ताह भारतअमेरिका आतंकवाद विरोधी सेमिनार के माध्यम से हम अपने अंतर्राष्ट्रीय पुलिस और गुप्तचर भागीदारों के साथ निकट संबंध स्थापित करते हैं और संकट के समय यह दोस्ती तत्काल व प्रभावी कार्रवाई में मदद करती है।''

भारत की 14 केंद्रीय और 15 राज्य स्तरीय एजेंसियों के 39 उच्च पुलिस अधिकारियों को एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गृह मंत्रालय ने आमंत्रित किया था। व्यावहारिक अभ्यासों और निम्न विषयों पर विचारविमर्श किया गया:

-संकट से निपटना व कार्रवाई

-सबूतों की बहाली और प्रोसेसिंग

-धमाके के बाद जांच और सबूत की प्राप्ति

-ऑरेंज काउंटी रीजनल कंप्यूटर फोरेंसिंक लेबोरेटरी (सभी प्रकार के डिजिटल सबूतों की बहाली एकत्रीकरण और समीक्ष करने वाली एक लेबोरेटरी का संक्षिप्त विवरण)

-लास एंजलिस पुलिस डिपार्टमेंट और लास एंजलिस काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट के द्वारा बड़े शहरों में पुलिस व्यवस्था पर व्याख्यान।

इस सेमिनार के लिए केंद्र बिंदु के तौर पर लास एंजलिस का चयन इस कारण किया गया कि यह शहर भी अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित समस्याओं का सामना करता है। जिनसे निपटने के लिए यहां बुनियादी ढांचे मौजूद हैं।

***